नसबंदी के फ़ायदे –

- यह परिवार छोटा रखने का स्थाई व सुरक्षित उपाय है जिससे सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता।
- नसबंदी के बाद थोड़ा आराम मिलते ही काम-काज दोबारा प्रारंभ किया जा सकता है।
- गर्भ-निरोध के दूसरे तरीकों पर होने वाले खर्च की बचत होती है।
- नसबंदी में अधिक समय नहीं लगता और न ही अस्पताल में भर्ती होने की जरुरत पड़ती है।

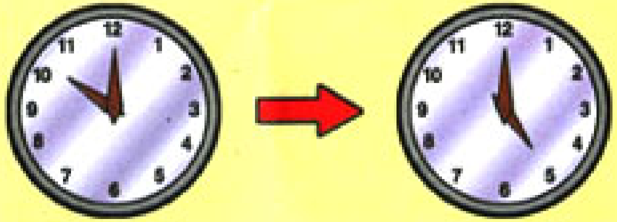

सुबह → शाम

नसबंदी कहाँ की जाती है ?

- नसबंदी सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा मुफ़्त की जाती है।

आओ बातें करें!

राज्य परिवार नियोजन सेवा अभिनवीकरण परियोजना एजेन्सी
ओम कैलाश टॉवर, 19-ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ - 226 001

पुरुष नसबन्दी

जब परिवार भरा-पूरा हो जाए
अपनाओ परिवार नियोजन का पक्का उपाय

एक या दो बच्चे के बाद और संतान न चाहने पर पुरुषों को परिवार सीमित रखने का स्थाई उपाय अपना लेना चाहिए। नसबंदी उनके लिए ऐसा ही एक स्थाई व सुरक्षित उपाय है।

नसबंदी क्या है ?

इसमें पुरुष के अंडकोश को सुन्न कर उसमें एक या दो छोटे चीरे लगाए जाते हैं। फिर दोनों शुक्राणु वाहक नलियों को काटकर बांध दिया जाता है जिससे शुक्राणु पुरुष के वीर्य से नहीं मिल पाते

और गर्भ ठहरने का खतरा नहीं रहता। यह बेहद सरल और सुरक्षित उपाय है जिसमें बहुत कम समय लगता है।

ध्यान दें-

- केवल प्रशिक्षित डॉक्टर से ही नसबंदी कराएं।
- नसबंदी के बाद तीन महीनों तक संभोग के समय निरोध का इस्तेमाल करें।

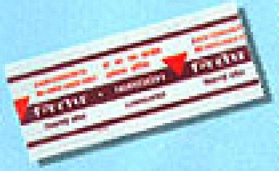

- नसबंदी के सात दिन बाद डॉक्टर से एक बार जरुर मिलें।

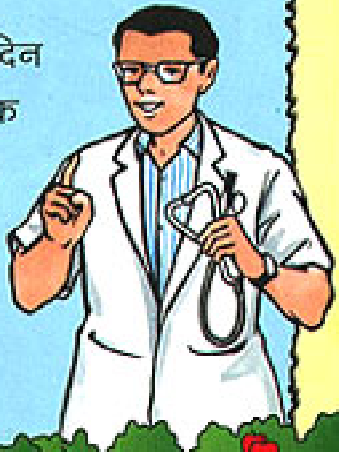

ध्यान न दें -

- यह सोचना बिल्कुल गलत है कि नसबंदी से यौन इच्छा या संभोग सुख में कमी आती है। संभोग सुख पर नसबंदी का कोई असर नहीं पड़ता।
- नसबंदी से नामर्दी होने वाली बात बेबुनियाद है। इससे नामर्दी नहीं होती और स्खलन भी पहले की तरह ही होता है।
- यह गलत है कि नसबंदी के बाद कमज़ोरी होती है या स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता।